डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन

नई दिल्ली

दिनांक 13.10.2020

प्रेस विज्ञप्ति

श्री हरि मोहन गुप्ता ने निदेशक / अवसंरचना, डीएफसीसीआईएल का कार्यभार ग्रहण किया

हरि मोहन गुप्ता भारतीय रेल अधिकारी सेवा के (भारतीय इंजीनियरिंग सेवा, आईईएस-89) 1989 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने रूडकी विश्वविद्यालय (नया नाम आईआईटी/रूडकी) से वर्ष 1988 में सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है एवं उनके द्वारा 12.04.2019 से 12.10.2020 तक रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में कार्यकारी निदेशक (वर्क्स) के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की गई ।

रेल मंत्रालय में कार्य करने से पूर्व, उन्होंने डीएफसीसीआईएल के पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर की रेवाडी – दादरी सेक्शन जैसी चुनौती पूर्ण मुख्य परियोजना में मुख्य परियोजना प्रबंधक के रूप में 07 वर्ष की अवधि तक प्रतिनियुक्ति पर कार्य किया है एवं एनसीआर क्षेत्र के सात प्रमुख जिलों (हरियाणा राज्य के रेवाडी, मेवात, गुडगांव, पलवल, फरीदाबाद, उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर एवं राजस्थान के अलवर) के भूमि अधिग्रहण संबंधित कार्यों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा सभी जिलों में वानिकी संबंधित मंजूरी प्राप्त करना सुनिश्चित किया एवं अरावली में सुरंग का निर्माण किया। उनके कार्यकाल में ही परियोजना के विभिन्न घटकों से संबंधित सभी प्रकार की डिजायन एवं ड्राइंग के कार्य को अंतिम रूप दिया गया जिससे कि संरेखण के साथ- साथ सभी प्रकार की निर्माण गतिविधियों को बडे रूप में पूरा करने में सहायता मिली।

श्री गुप्ता को ट्रेक के रख-रखाव, मरम्मत, परिचालन, बडे आकार की रेलवे ट्रेक मशीन जो कि रेलवे ट्रेक नेटवर्क पर ट्रेक बिछाने एवं इसके रख-रखाव, निविदा जारी करने, अनुबंध को अंतिम रूप देने, मध्यस्थता एवं क्षेत्रीय रेलवे प्रशासन संबंधित कार्यों को पूरा करने का लंबा अनुभव है साथ ही उनको परियोजना की मॉनीटरिंग, वित्तीय पोषण एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों में कार्य करते हुए अनुभव प्राप्त किया है।

श्री गुप्ता मोदी सांइस एवं इंटर कॉलेज, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद, उ.प्र. के भूतपूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत उत्तर रेलवे के प्रयागराज मंडल में सहायक इंजीनियर/ चुनार पद से की है। उनका भारतीय रेलवे में पहली बार उत्तर रेलवे में स्टोर टेंडरिंग प्रक्रिया के अनुसार, ट्रैक मशीन पुर्जों की खरीद प्रणाली को स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान था। वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, अंबाला के रूप में कार्य करते हुए उनको महाप्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया गया एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) मुरादाबाद, के रूप में कार्य करते हुए अधिकतम शील्ड (कार्यनिष्पादन शील्ड) प्राप्त हुई है। उनको हिंदी एवं अंग्रेजी भाषाओं में सार्वजनिक रूप से बोलने में प्रसिद्धता हैं तथा अनेकों आधिकारिक कार्यक्रमों की एंकरिंग करने का भी व्यापक अनुभव रहा है।

(राजेश चौपड़ा)
प्रबंधक/प्रशासन
9717636812

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DEDICATED FREIGHT CORRIDOR CORPORATION

NEW DELHI
Dt.13.10.2020

PRESS RELEASE

SH. HARI MOHAN GUPTA TAKES OVER AS DIRECTOR INFRASTRUCTURE, DFCCIL

Hari Mohan Gupta is an Indian Railway officer of 1989 Batch (*Indian Engineering Services, IES - 89*), graduated in Civil Engineering in 1988 from University of Roorkee (*renamed as IIT/Roorkee*) and worked as Executive Director (Works) in Ministry of Railways, Railway Board, New Delhi since 12-04-2019 to 12-10-2020.

Before joining Rail Ministry office, he worked for 7 years on deputation on a challenging Iconic Project as Chief Project Manager of Rewari -Dadri section of Western Dedicated Freight Corridor in DFCCIL organization and was instrumental in acquisition of land in 7 Prime Districts (*Rewari, Mewat, Gurgaon, Palwal, Faridabad in Haryana, Alwar in Rajasthan & Gautam Buddha Nagar in UP*) of National Capital region territory, ensuring Forestry clearances in all Districts by making a tunnel in the Aravallis. All Designs & Drawings of the project components were finalized during his tenure and construction activities all along the alignment started in a big way.

Sh. Gupta is also having experience of track maintenance, repair, maintenance, operation, overhauling of huge Railway track machines responsible for laying and maintenance of Railway track network, tendering, contract finalization, arbitration and administration of Zonal Railways in a big way and gained a lot of experience in project monitoring, financing & other related fields.

Sh. Gupta is an alumnus of Modi Science & Inter College, Modinagar, Ghaziabad district, UP. He started his career as Assistant Engineer/ Chunar in Prayagraj division of Northern Railway. He was instrumental in establishing track machines spares procurement system as per stores tendering in Northern Railways for the first time in Indian Railways. He was awarded the General Manager award while working as Sr. Divisional Engineer Ambala and got maximum shields (Performance Shields) while working as Sr. Divisional Engineer (Coordination) at Moradabad. He is eminently known for his eloquence in public speaking in Hindi and English and has wide experience of anchoring many official shows.

(Rajesh Chopra)

DGM/CC
9717636812